श्रीलंका में भारतीय सैनिक

472. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्रीलंका में भारतीय सेना के अनेकों जवान एवं अधिकारी गत मार्च से कार्रवाई कर रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि उनमें से सेना के अनेक जवान और अधिकारी कार्रवाई में मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं ;

(ग) यदि हां, तो सितम्बर, 1988 तक कुल कितने जवानों और अधिकारियों की मृत्यु हुई है या घायल हुए हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इन जवानों के लिए विशेष आर्थिक सहायता की घोषणा की है ; और

(ङ) यदि हां, तो सितम्बर, 1988 तक कितने जवान व अधिकारी इस योजना से लाभान्वित हुए है तथा पात्र किन्तु अभी तक लाभान्वित न हो पाने वाले जवानों तथा अधिकारियों की संख्या कितनी है ?

रक्षा मंत्रालय में रक्षा उत्पादन और पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री चिंतामणि पाणिग्रही) : (क) भारतीय शांति सेना श्रीलंका में जुलाई, 1987 से तैनात है ।

(ख) और (ग) 30 सितम्बर, 1988 तक 33 अफसर एवम् 572 जूनियर कमीशन अफसर/अन्य रैंक मारे गए तथा 97 अफसर और 1605 जूनियर कमीशन रैंक/अन्य रैंक घायल हुए।

(घ) सरकार ने इन कार्रवाइयों में मारे गए भारतीय शांति सेना के कार्मिकों के नजदीकी रिश्तेदारों को उदारीकृत पेंशन लाभ और कुछ अन्य लाभ दिए जाने की घोषणा की है ।

(ङ) 30 सितम्बर 1988 तक, 20 अफसरों तथा 526 जूनियर कमीशन अफसरों/अन्य रैंकों के मामलों में उदारीकृत पेंशनरी लाभ मंजूर किए जा चुके हैं । 29 अफसरों और 518 जूनियर कमीशन अफसरों/अन्य रैंकों के मामले में सेना समूह बीमा लाभों को अंतिम रूप दिया जा चुका है ।

दिल्ली में हैजा महामारी के शिकार व्यक्ति

473. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत जून, जुलाई, एवं अगस्त 1988 में दिल्ली शहर में भारी संख्या में लोग हैजे जैसी महामारी के शिकार हुए थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या दिल्ली नगर निगम के सतर्कता विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस सिलसिले में दिल्ली में अनेकों अधिकारियों को निलम्बित किया गया था ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि बाद में दिल्ली प्रशासन के मुख्य सचिव की रिपोर्ट प्राप्त होने पर इन में से अनेक अधिकारियों को पुनः नौकरी पर वापस ले लिया गया था यदि हां, इन अधिकारियों के नाम क्या हैं; और

(घ) क्या यह भी सच है कि दिल्ली प्रशासन के मुख्य सचिव ने भी कुछ अधिकारियों को कसूरवार पाया है, यदि हां, तो ऐसे अधिकारियों के क्या नाम हैं और उनके खिलाफ अभी तक क्या कार्यवाही की

गयी है ; क्या सरकार मामले की और आगे जांच करायेगी, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Projects Under Implementation in Rajasthan

474. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what are the Centrally sponsored engineering projects under implementation in Rajasthan;

(b) whether the delay in completion of those projects is leading to cost escalation; and

(c) if so, the details of steps taken to expedite the execution of those projects?

THE MINISTER OF PLANNING AND THE MINISTER OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) According to the Quarterly Monitoring System of Ministry of Programme Implementation as on 30-6-1988, in respect of projects costing over Rs. 20 crores each, there are no engineering projects falling under Heavy, Medium and Light Engineering under implementation in Rajasthan.

(b) and (c) Do not arise.

Money allotted to Rajasthan for the Annual Plan 1987-88

475. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) what is the amount of money utilised by the Government of Rajasthan out of the total amount allotted to that State for the annual plan for 1987-88; and

(b) the sectors where the amount could not be fully utilised and the reasons therefor?

THE MINISTER OF PLANNING AND THE MINISTER OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) The Government of Rajasthan has stated that the approved outlay of Rs. 645 crores for annual plan 1987-88 has been fully utilised,

(b) There has been no shortfall in the overall expenditure. However, there have been shortfalls in the sectors of Special Area Programme, Irrigation and Flood Control, Energy, Industry and Minerals, Transport, Science Technology and Environment, Social Services, General Economic Services, General Services and Upgradation Grants. The main reason for shortfall in some of the sectors is diversion of funds to material component for relief works in drought affected areas.

Growth Rate of Population in Rajasthan

476. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the yearly growth rate of population in Rajasthan has been monitored during the 7th Five Year Plan, period, if so, the year-wise growth rate and the areas where the growth rate has been found to be significant;

(b) whether any special measures are contemplated to control the growth rate in such areas; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MOTI LAL VORA): (a) The Natural Growth Rate of population is obtained as difference between birth and death rates as available from Sample Registration System (SRS) of Registrar General, India annually. The latest estimates of Natural Growth Rate for Rajasthan for the years 1985, 1986 and 1987 are 2.65 per cent, 2.47 per cent and 2.32 per cent (Provisional) respectively. Since Sample Registration System provides estimates only at State level, the growth rate below State level are not available.